तैयारी

हिंदी

ORUKKAM
HINDI
2012-2013

प्रिय अध्यापक बंधु...

वर्ष 2013 मार्च की एस.एस.एल.सी परीक्षा के लिए हमारे छात्र तैयार हो रहे हैं। इस समय साल भर अर्जित बातों को एक बार और मज़बूत करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह पुस्तिका -**'तैयारी'** - बनाई गई है। आशा है, इस पुस्तिका की गतिविधियों के द्वारा छात्र प्रोक्तियों से अधिक से अधिक परिचय पाएँगे तथा प्रोक्तियाँ तैयार करने में सफल निकलेंगे। इसमें डायरी, वार्तालाप, लेख, आत्मकथा, जीवनी, पत्र लेखन, रपट, पोस्टर, उद्घोषणा जैसी मुख्य प्रोक्तियों का ही समावेश हैं। साथ ही इन प्रोक्तियों से गुज़रते हुए पाठ्यपुस्तक की रचनाओं से अधिक परिचय पाने का भी अवसर हैं।

हम चाहते हैं कि इस **'तैयारी'** की गतिविधियों के साथ आप अपनी ओर से कुछ गतिविधियाँ अलग से तैयार करें और छात्रों को परीक्षा के लिए तैयार करने के इस प्रयास को यथासंभव पुष्ट करें।

हार्दिक शुभकामनाएँ।

सत्र 1

कक्षा : दसवीं

इकाई : चार

विधा / प्रोक्ति : डायरी

उद्देश्य :

1. चौथी इकाई की 'वापसी' कहानी का पुनरीक्षण कराना।
2. डायरी लिखने की क्षमता बढ़ाना।

भूमिका

दोस्तो, दसवीं कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तिका में 'वापसी' कहानी की खास भूमिका है। इस कहानी में ऐसे अनेक आशय हैं जो आकलन की संभावनाएँ रखती हैं। साथ ही साथ इसके पात्र एवं घटनाएँ भी उल्लेखनीय हैं। इस कहानी से गुज़रते हुए छात्रों में जो धारणाएँ बनी हैं उन्हें मज़बूत करने के लिए कुछ गतिविधियाँ नीचे दी जा रही हैं। आप इन गतिविधियों को कक्षा में चलाने का प्रयास करें तथा अपनी ओर से इनको और बेहतर बनाएँ।

गतिविधियाँ

➔ चौथी इकाई से संबंधित निम्नलिखित तालिका श्यामपट पर, चार्ट पर या प्रोजेक्टर द्वारा दिखाएँ। छात्र अपनी पुस्तिका में यह तालिका खींचें। पाठ्यपुस्तक की सहायता से इस तालिका भरने का निर्देश छात्रों को दें।

पाठ	विधा / प्रोक्ति	रचनाकार
भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य संबंध		
मुफ़्त में ठगी		
वापसी		

➔ छात्रों से पूछें–

- इन रचनाओं में आपकी मन पसंद रचना कौन-सी है?
- 'वापसी' कहानी के संबंध में आपका विचार क्या है?

➔ पात्रों के नाम श्यामपट पर लिखें।

गजाधर बाबू, गणेशी, पत्नी, बंसंती, नरेंद्र, अमर, बहू

➔ छात्रों से पूछें–

- इस कहानी की मुख्य घटनाएँ कौन-कौन सी हैं?

➔ कुछएक घटनाएँ कहने का मौका दें। फिर कहें–

- घटनाओं को सूचीबद्ध करने के लिए हम दलों में बैठेंगे।

➔ श्यामपट पर लिखे पात्रों के नामों के आधार पर दल विभाजन करें। प्रत्येक दल को 'वापसी' कहानी का नियत अंश पढ़ने को सौंपें और आवश्यक समय भी दें।

दल 1 : गजाधर बाबू खुश थे, बहुत खुश।..... स्नेह और आदर के मध्य रहने जा रहे थे।

दल 2 : टोपी उतारकर ..... आखिर बच्चे ही है।

दल 3 : पत्नी आकर चौके में ..... बसंती मुँह लटकाकर चुप रह गई।

दल 4 : गजाधर बाबू नाश्ता कर ..... पत्नी ने उत्तर दिया।

दल 5 : गजाधर बाबू खिन्न हो आए ..... धनोपार्जन के निमित्त मात्र है।

दल 6 : किसी बात में हस्तक्षेप ..... आँखें बंद किए लेटे रहे।

दल 7 : गजाधर बाबू चिट्ठी हाथ में लिए ..... चलने तक की जगह नहीं है।

➔ प्रत्येक दल को क्रमशः अपने को मिले अंश का आशय संक्षिप्त में बताने का अवसर दें।

➔ प्रत्येक दल को मुख्य घटनाएँ रेखांकित करने का निर्देश दें और पर्याप्त समय दें।

➔ दल 1 से 7 तक क्रमशः घटनाएँ बताएँ और आप आवश्यक संशोधन करते हुए श्यामपट पर लिखें (हो सकता है तो चार्ट या प्रोजेक्टर की मदद लें)। एक दल के प्रस्तुतीकरण के समय अपनी-अपनी पुस्तिका में उन घटनाओं को लिखने का निर्देश बाकी दलों के सदस्यों को दें।

संभावित उत्तर :

- गजाधर बाबू ने शहर में एक मकान बनवा लिया।
- अमर और कांति की शादियाँ कर दीं।
- गजाधर बाबू नौकरी के कारण छोटे छोटे रेल्वे स्टेशनों पर रहे।
- गजाधर बाबू की पत्नी और बच्चे शहर के घर में रहे।

- टोपी उतारकर गजाधर बाबू ने चारपाई पर रख दी।
- जूते खोलकर नीचे खिसका दिए।
- गजाधर बाबू बिना खाँसे अंदर चले आए।
- नरेंद्र गत रात्रि की फ़िल्म में देखे किसी नृत्य की नकल कर रहा था।
- बसंती हँस-हँसकर दुहरी हो रही थी।
- अमर की बहू उन्मुक्त रूप से हँस रही थी।
- गजाधर बाबू को देखते ही नरेंद्र धप से बैठ गया।
- बहू ने झट से माथा ढक लिया।
- बसंती का शरीर हँसी दबाने के प्रयत्न में हिलता रहा।

- गजाधर बाबू को देखते ही सब कुंठित हो चुप हो गए।
- बहू चुपचाप चली गई।
- नरेंद्र चाय का आखिरी घूँट पीकर उठ खड़ा हुआ।
- बंसंती चौके में बैठी माँ की राह देखने लगी।
- गजाधर बाबू की पत्नी हाथ में अर्घ्य का लोटा लिए निकली।
- पत्नी आकर चौके में बैठ गई।
- गजाधर बाबू बैठकर चाय और नाश्ते का इंतज़ार करते रहे।
- गजाधर बाबू ने जोश में आकर बसंती को आवाज़ दी।
- बसंती मुँह लटकाकर चुप रह गई।
- गजाधर बाबू नाश्ता कर बैठक में चले गए।

- गजाधर बाबू आहत विस्मित दृष्टि से पत्नी को देखा।
- रात का भोजन बसंती ने जान-बूझकर खराब बनाया।
- गजाधर बाबू खाए बिना उठ खड़े हुए।
- नरेंद्र थाली सरकाकर उठ खड़ा हुआ।
- गजाधर बाबू खिन्न हो आए।
- पत्नी ने सूचना दी कि अमर अलग रहने की सोच रहा है।
- सुबह घूमकर लौटे तो गजाधरबाबू की चारपाई बैठक से गायब थी।
- चारपाई पत्नी की कोठरी में अचार, रजाइयों और कनस्टरों के मध्य लगी पाई।
- गजाधर बाबू खाए बिना अपनी चारपाई पर लेट गए।

- किसी बात में हस्तक्षेप न करने के निश्चय के बावजूद भी गजाधर बाबू एक दिन बीच में दखल दे बैठे।
- गजाधर बाबू ने नौकर का हिसाब कर दिया।
- अमर और बहू का वार्तालाप गजाधर बाबू को खटक गया।
- गजाधर बाबू बत्ती जलाए बिना कमरे में पड़ा रहा।
- पिता को न देखकर नरेंद्र और बसंती ने माँ से उनके संबंध में शिकायत की।
- कुछ देर में पत्नी कोठरी में आकर बत्ती जलाई।
- पत्नी गजाधर बाबू को देख बड़ी सिपटपिटाई।
- गजाधर बाबू चुप, आँखें बंद किए लेटे रहे।

- गजाधर बाबू चिट्ठी हाथ में लिए अंदर आए।

- गजाधर बाबू ने चीनी मिल में नौकरी लग जाने की बात कही।
- गजाधर बाबू पत्नी से साथ आने का आग्रह प्रकट किया।
- पत्नी ने साथ जाने को तैयार नहीं हुई।
- नरेंद्र ने बड़ी तत्परता से गजाधर बाबू का बिस्तर बाँधा और रिक्शा बुला लाया।
- टिन का बक्सा और पततला-सा बिस्तर रिक्शे पर रख दिया गया।
- गजाधर बाबू रिक्शे पर जा बैठे।
- रिक्शा चल पड़ा।
- पत्नी और बच्चे खुशी के साथ अंदर लौट आए।

➔ आप प्रश्न करें और प्रत्येक प्रश्न का उत्तर श्यामपट पर लिखें–

- इनमें आपके मन को सबसे अधिक प्रभावित करनेवाला प्रसंग कौन-सा है?
- यह प्रसंग गजाधर बाबू को कैसा महसूस हुआ होगा?
- इस प्रसंग पर उनका मनोभाव क्या हुआ होगा?
- इस प्रसंग पर वे क्या-क्या सोचते होंगे?
- इस प्रसंग को उन्होंने किस प्रकार मूल्यांकन किया होगा?

➔ चर्चा के उपरांत उपर्युक्त प्रसंग पर डायरी लिखने का निर्देश दें।

➔ वैयक्तिक प्रयास के बाद दल में विचार-विनिमय का मौका दें।

➔ प्रत्येक दलों की ओर से एक-एक प्रस्तुतीकरण हो।

➔ टीचरवेर्शन के रूप में किसी और डायरी का पन्ना प्रस्तुत करें। उसकी विशेषताओं की चर्चा करते हुए डायरी की विशेषताओं और मूल्यांकन सूचकों की अवधारणा दें।

- समय / काल की सूचना दी गई है।
- स्वाभाविक भाषा प्रयोग किया है।
- संवेगात्मक (भावात्मक) प्रस्तुति हुई है।
- अपने अनुभवों का सटीक वर्णन है।
- अनुभव के आधार पर आख्यान शैली है।
- प्रसंग के अनुकूल औनौपचारिक भाषा का प्रयोग किया गया है।
- विचारों में क्रमबद्धता है।

◆

सत्र 2

कक्षा : दसवीं

इकाई : तीन

विधा / प्रोक्ति : जीवनी

उद्देश्य :

1. अपठित कविता पर आनेवाले प्रश्नों के उत्तर लिखवाने की क्षमता बढ़ाना।
2. तीसरी इकाई का एकपात्रीय नाटक 'सकुबाई' का पुनरीक्षण कराना।
3. जीवनी लेखन संबंधी विशेषताएँ समझाना।

भूमिका

एकपात्रीय नाटक दसवीं में एक नई विधा है। 'सकुबाई' में ऐसे कई रोचक प्रसंग हैं जिनको हम डायरी, जीवनी, आत्मकथा, पत्र, वार्तालाप जैसी विधाओं की ओर ले जा सकते हैं। यहाँ एकपात्र नाटक 'सकुबाई' से छात्रों को एक बार और ले जाने के साथ जीवनी लेखन संबंधी क्षमताओं को और उजागर कराना हमारा लक्ष्य है।

गतिविधियाँ

➔ यह कविता पढ़ने को दें–

कामगार औरतें

–सुशांत सुप्रिय

कामगार औरतों में
पर्याप्त दूध नहीं उतरता
मुरझाए फूल से
मिट्टी में लोटते रहते हैं
उनके नंगे बच्चे
उनके पूनम का चाँद
झुलसी रोटी-सा होता है।
हालाँकि
टी.वी. चैनलों पर
सीधा प्रसारण होता है
केवल 'विश्व सुंदरियों' की
'कैट-वाक' का
पर उससे भी
कहीं ज़्यादा सुंदर होती है
कामगार औरतों की
थकी चाल।

➔ इस कविता पर कुछ प्रश्न दें और उन पर चर्चा चलाएँ।

- कामगार औरतों के बच्चे कैसे सोते हैं?
- 'पूनम का चाँद' –कौन है?
- कवि को ज्यादा सुंदर होती है। क्या?

➔ पूछें–

'कामगार औरत' के समान कोई पात्र पाठ्यपुस्तक की किसी रचना में है?

है तो कौन है?

➔ आप 'सकुबाई' पढ़ने का निर्देश दें।

➔ निम्नलिखित बिंदुओं से संबंध रखनेवाली बातें चुनकर अपनी-अपनी पुस्तिका में लिखने का निर्देश बच्चों को दें–

- सकुबाई का जन्म एवं बचपन।
- पारिवारिक स्थिति
- गाँव से पलायन
- शहर का जीवन

➔ वैयक्तिक प्रयास के लिए कुछ समय देने के बाद उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर दल बनाएँ। इन्हीं बिंदुओं को विकसित करते हुए हरएक दल सकुबाई की जीवनी लिखें।

➔ जीवनी तैयार करने के बाद प्रत्येक दल को प्रस्तुत करने का मौका दें।

➔ आशय परक एवं भाषा परक संशोधन के लिए आवश्यक चर्चा चलाएँ।

➔ दलों की उपजों से सबसे बढ़िया जीवनी चुनने को कहें। इसके लिए निम्नांकित मुद्दों को आधार बनाने का निर्देश दें–

- व्यक्ति विशेष का बारीकी से विश्लेषण
- यथा तथ्य वर्णन
- भाषा संरचना पर अन्य पुरुष पर बल
- क्रमबद्धता
- शीर्षक

◆

सत्र 3

कक्षा : दसवीं

इकाई : दूसरी

विधा / प्रोक्ति : आत्मकथा

उद्देश्य :

1. दूसरी इकाई का साक्षात्कार 'महत् उद्देश्य की प्रतिमा' का पुनरीक्षण कराना।
2. गद्यांश पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता बढ़ाना।
3. आत्मकथा लिखने की क्षमता बढ़ाना।

भूमिका

किसी जाने-माने व्यक्ति से उनके जीवन अनुभव के संबंध में जानने के लिए जो बातचीत होती है उसे साक्षात्कार कहते हैं। साक्षात्कार के ज़रिए उस व्यक्ति का जीवन, अनुभव आदि से संबंधित बातों की जानकारी हमें मिलती है। किसी साक्षात्कार से मिली जानकारी से कक्षाई प्रक्रिया के दौरान आत्मकथा तैयार की जा सकती है। ऐसी एक प्रक्रिया नीचे दी जा रही है।

गतिविधियाँ

➔ डॉ.पी.के.आर वारियर की आत्मकथा '**अनुभव और अनुभाव : एक शल्य चिकित्सक की टिप्पणियाँ**' के एक अंश का इस हिंदी अनुवाद पढ़ने को दें–

बरसों बाद शल्य चिकित्सकों की एक संगोष्ठी में भाग लेने मैं बंबई पहुँचा। एक दिन अधेड़ उम्र की एक महिला एक युवक के साथ मेरे कमरे में पहुँची। दोनों मेरे पैरों पड़ने लगे। मैं घिसक गया। क्योंकि मैं किसी को अपने पैरों पड़ने नहीं देता। और भी एक बात है, मेरी खोपड़ी उतनी सूनी नहीं है, जितनी कि लोगों पर हम 'पैर पकड़ने' का प्रयोग किया करते हैं।

वे हतप्रभ हो गईं। आँखें भर आईं। फिर टूटी-फूटी आवाज़ में कहने लगीं, "मेरे अविवेक माफ़ करें।" आँसू की धार बह रही थी। मैं हतप्रभ होकर खड़ा रहा। ये कौन हैं? इस दुख का क्या कारण है? मेरा कसूर क्या है?

थोड़ी देर में वे शांत हो गईं। आँखें पोंछती हुई बोली, "मैं पार्वती। तृप्पूणित्तुरा से हूँ। यह मेरा बेटा है, राधाकृष्ण।" फिर उसकी कमीज़ थोड़ा उठाई। वहाँ पर चार इंच लंबा एक दाग। ऑपरेशन के घाव का दाग। मेरे हाथ की निपुणता का निशान। मेरी कल्पना में उसने पाँच दिन का एक बच्चा बना। मेरी आँखें सजल बन गईं। एक चपलता से, जो पहले कभी नहीं हुई थी, मैंने उसे गले लगाया। "ईश्वर को सदा मेरे हृदय में स्थान है। पास ही आप भी स्थान पा लिया है। इसके जीवन दाता आप हैं। इस लिए इसे आपके पैरों समर्पित करने को बहुत चाहती थी" –वे कहने लगीं।

➔ वाचन का अवसर दें और निम्नलिखित प्रश्न पूछें तथा छात्रों को प्रतिक्रिया का मौका दें–

1. अधेड़ उम्र की महिला और युवक आकर क्या करने लगे?
2. अधेड़ उम्र की महिला कौन थी?

3. उस महिला के आने का क्या कारण था?

4. महिला के साथ का युवक कौन था?

5. डॉक्टर की कल्पना में युवक ने पाँच दिन का बच्चा बना। कब?

➔ आप पूछें–

दूसरों के लिए जीवन व्यतीत किए अनेक लोगों के नाम आप जानते हैं। ऐसे कुछ महापुरुषों के नाम बताएँ।

➔ महापुरुषों के नामों के आधार पर चार दल बनाएँ। 'महत् उद्देश्य की प्रतिमा' को वाचन करने के लिए चार अलग-अलग दलों में बाँट दें।

➔ आप यह प्रश्न करें–

- बचपन में शांता के हीरो कौन-कौन थे? क्यों?
- डॉ. शांता पर असर डालनेवाले अन्य व्यक्ति कौन थे?
- डॉ. शांता ने चिकित्सा के क्षेत्र चुनने का फैसला क्यों?
- डॉक्टर के रूप में डॉ. शांता की पहली नियुक्ति कहाँ हुई थी?
- डॉ. शांता के सहकर्मी कौन थे?
- डॉ. शांता ने पी.एस.सी को नकारकर कैंसर इंस्टिट्यूट की नौकरी स्वीकार की क्यों?
- डॉ. शांता को कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ?

➔ चर्चा के बाद डॉ. शांता की आत्मकथा का अंश अपने शब्दों में लिखने का निर्देश दें।

- व्यक्तिगत प्रयास का मौका दें।
- दलों में चर्चा करके आवश्यक सुधार करवाएँ।
- टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें तथा चर्चा के ज़रिए मूल्यांकन सूचकों की अवधारणा दें–

- आशय ग्रहण
- आत्मकथा की शैली
- शीर्षक
- क्रमबद्धता
- तथ्यों में सच्चाईपन
- शैली में कहानीपन

सत्र 4

कक्षा : दसवीं

इकाई : तीन

विधा / प्रोक्ति : वार्तालाप

उद्देश्य :

1. तीसरी इकाई की 'आदमी का बच्चा' कहानी का पुनरीक्षण कराना।
2. वार्तालाप लिखने की क्षमता बढ़ाना।

भूमिका

एक व्यक्ति दूसरे से अपने मन के विचारों को मौखिक रूप से प्रसंगानुकूल अभिव्यक्त करें तो वह वार्तालाप है।

गतिविधियाँ

➔ 'आदमी का बच्चा' कहानी का वैयक्तिक वाचन का अवसर दें।

➔ चर्चा के ज़रिए कहानी की मुख्य घटनाओं को सूचीबद्ध करने का निर्देश दें।

➔ प्रस्तुतीकरण करवाएँ और आप श्यामपट पर लिखें।

➔ आवश्यक है तो छात्र अपनी पुस्तिका में लिख लें।

संभावित उत्तर–

- डौली माली के बच्चों के साथ खेलने जाती है।
- बग्गा साहब के घर कुत्तिया ने पिल्ले दिए।
- डौली पिल्लों के साथ खेलना चाहती है।
- पिल्लों को गरम पानी में डुबोकर मरवा देते हैं।
- डौली मानेजर साहब के घर से लौट आती है।
- माली बच्चे की लाश लेकर जाता है।
- आया को अपने बेटे की याद आती है।

➔ घटनाओं की चर्चा करने के बाद निम्नलिखित प्रसंग पर आया और डौली के बीच वार्तालाप कल्पना करके लिखने का निर्देश दें–

'कहते-कहते आया का गला रुँध गया। उसे अपना लल्लू याद आ गया... दो बरस पहले...!'

- वैयक्ति लेखन का मौका दें।
- दो-एक की प्रस्तुति करवाएँ।
- चर्चा करके दल में परिमार्जन का अवसर प्रदान करें।
- दलों की उपजों का प्रस्तुतीकरण करवाएँ।
- टीचरवेर्शन प्रस्तुत करें।

- आशय, भाषा एवं शैली पर ध्यान देते हुए संशोधन करें।
- वार्तालाप की विशेषता एवं मूल्यांकन सूचकों की चर्चा चलाएँ–

• वार्तालाप प्रसंगानुकूल हो। • भाषा अनौपचारिक हो। • पूर्ण वाक्यों की ज़रूरत नहीं।

सत्र 5

कक्षा : दसवीं

इकाई : पहली

विधा / प्रोक्ति : पत्र

उद्देश्य :

1. पहली इकाई का रेखाचित्र 'गौरा' का पुनरीक्षण कराना।
2. पत्र लेखन की खूबियों को समझाना।

भूमिका

पत्र विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है। पत्र द्वारा हम अपने मन के विचारों को दूसरों तक पहुँचाते हैं।

गतिविधियाँ

➔ छात्रों से 'गौरा' रेखाचित्र का वैयक्तिक वाचन करवाएँ।

➔ आप ये प्रश्न पूछें–

- महादेवी जी ने श्यामा के घर की बछिया गौरा का वर्णन किस प्रकार किया है?
- पशु-पक्षियों के पालने के पीछे हमारा क्या उद्देश्य होता है?
- क्या महादेवी जी का उद्देश्य यही था?
- महादेवी जी के बंगले में गाय का स्वागत किस प्रकार हुआ?
- 'कुछ ही दिनों में वह सबसे इतनी हिल-मिल गई कि अन्य पशु-पक्षी अपनी लघुता और उसकी विशालता का अंतर भूल गए।' –इससे क्या तात्पर्य है?
- 'समय का इतना अधिक बोध उसे हो गया था' –महादेवी जी के इस अनुमान का कारण क्या है?

➔ प्रश्नोत्तर के उपरांत आप कहें–

अगर गौरा के विशेष व्यवहारों एवं आदतों के संबंध में महादेवी जी अपनी बहन श्यामा को चिट्ठी लिखती हैं तो वह किस प्रकार होगी।?

- वैयक्तिक लेखन का अवसर दें।
- दो-एक से प्रस्तुति करवाएँ।
- दल में चर्चा और परिमार्जन का अवसर दें।
- सभी दलों से प्रस्तुत करवाएँ।
- टीचरवेर्शन प्रस्तुत करें।
- चर्चा करते हुए संशोधन कार्य चलाएँ।
- इन सूचकों के आधार पर मूल्यांकन करवाएँ–
  आशय है।

• रूप-रेखा का पालन किया है। • प्रसंगानुकूल लिखा है। • पत्र की भाषा-शैली है।

➔ गृहकार्य के रूप में ये प्रश्न दें–

- महादेवी जी ने गौरा की बछिया का नाम क्या रखा? क्यों?
- 'दूधो नहाओ' से क्या तात्पर्य है?
- कुत्ते-बिल्लियाँ दूध पीकर कृतज्ञता कैसे प्रकट करते थे?
- दुग्ध-दोहन की समस्या का समाधान कैसे हुआ?
- गौरा प्रतिदिन दुर्बल होने लगी। क्यों?
- ग्वाले ने क्यों गाय को सुई खिलाई होगी?
- डॉक्टरों ने गौरा को रोज़ सेब का रस पिलाने का निर्देश क्यों दिया?
- बीमार गौरा के पास महादेवी जी के आने पर गौरा की प्रतिक्रियाएँ क्या-क्या थीं?
- गौरा की बीमारी एवं दयनीय अंत का वर्णन करते हुए अपनी बहन श्यामा के नाम महादेवी जी का पत्र कल्पना करके लिखें।

◆

सत्र 6

कक्षा : दसवीं

इकाई : चार

विधा / प्रोक्ति : रपट

उद्देश्य :

1. तीसरी इकाई की कविता 'वह तो अच्छा हुआ' का पुनरीक्षण कराना।
2. किसी घटना का रपट तैयार करने की क्षमता बढ़ाना।

भूमिका

पाठ्य-सामग्री के विशेष प्रसंगों के आधार पर विधांतरण एक सहज प्रक्रिया है। हमें मालूम है कि कविता के प्रसंगों से भी हम विभिन्न विधाओं की रचना करवा सकते हैं। प्रस्तुत कविता के प्रसंग को लेकर हम एक रपट की रूपायन-प्रकिया की तरफ़ जा रहे हैं।

गतिविधियाँ

➔ आगरा से प्रकाशित समाचार पत्र '**अमर उजाला**' में 19 दिसंबर 2012 को प्रकाशित यह रपट पढ़ने को दें–

युवक की मौत पर पुलिस की संवेदनहीनता

फतेहाबाद : सड़क दुर्घटना में युवक की मौत के बाद भी पुलिस संवेदनहीन बनी रही। हादसे में घायल तडपता रहा और सूचना के बावजूद पुलिस नहीं पहुँची। इतना ही नहीं बल्कि मौत की सूचना पर घटनास्थल पर जा रहे मृतक के रिश्तेदार को वाहन चेकिंग के नाम पर रोक लिया। छोड़ने की गुहार पर उसकी जमकर पिटाई लगा दी।

फिरोज़ाबाद के मटसैना निवासी समान सिंह बाईक से गढी दरियाब स्थित अपनी ससुराल आ रहा था। फिरोज़ाबाद बस स्टैंड के समीप पहुँचते ही उसे रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल हो गया। हादसा देख आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी लेकिन पुलिस काफी देर तक मौके पर नहीं पहुँची। इस पर लोग ही उसे अस्पताल ले गए। जहाँ चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना स्थल पर पहुँचे पूर्व ब्लॉक प्रमुख अमर सिंह गुर्जर, मुन्ना गुर्जर आदि ने पुलिस पर संवेदनहीनता का अरोप लगाया। उधर, हादसे में मौत की जानकारी जैसे ही समान सिंह के रिश्तेदार सत्यवीर सिंह को हुई वह मौके की ओर दौड़ लिया। अवंतीबाई चौराहे पर पुलिस ने उसे रोक लिया और गाड़ी के कागज़ात माँगे। इस पर उसने दरोगा को घटना की जानकारी दी लेकिन दरोगा ने उसे बुरी तरह पीट डाला।

➔ वाचन कराने के बाद आप प्रश्न करें–

- इसमें किसके संबंध में बताया गया है?
- पुलिस पर किस का आरोप लगाया गया है?
- हमारे पाठ्यपुस्तक में लोगों की संवेदनहीनता का चित्रण करनेवाली कविता कौन-सी है?

➔ 'वह तो अच्छा हुआ' –कविता एक बार और पढ़ें।

➔ ये प्रश्न करें–

- 'उस गली का नाम नगरपालिका में नहीं था' – का क्या मतलब है?
- 'गली और संकरी हो गई' –का तात्पर्य क्या है?
- 'कुछ लोग फुरसत में यह दृश्य दूर से देख रहे थे' –में लोगों की कौन-सी मानसिकता व्यक्त है?
- 'यह बात फैलते-फैलते अख़बारवालों तक
- इस तरह पहुँची कि किसीने नगर की
- सँकरी-गंदी गली में रोता हुआ बच्चा छोड़ दिया है' –इन पंक्तियों में अख़बारवालों की किस प्रवृत्ति की ओर संकेत है?
- इस कविता की मुख्य घटना क्या है?

➔ कविता के विश्लेषण के बाद 'नगर की सँकरी-गंदी गली में फ़िसलकर गिरा हुआ बच्चा रो रहा था' के आधार पर एक रपट तैयार करने का निर्देश दें।

- वैयक्तिक प्रयास का मौका दें।
- इस सत्र के शुरू में दी गई रपट '**युवक की मौत पर पुलिस की संवेदनहीनता**' पर फिर ध्यान देने को कहें।

ये प्रश्न करें–

- यह रपट कहाँ से की गई है?
- इस रपट में बताई गई घटना कौन-सी है?
- यह कहाँ घट गई है?
- संबंधित व्यक्ति कौन-कौन हैं?
- घटना से संबंधित अन्य बातें क्या-क्या हैं?
- इसमें प्रयुक्त पत्रकारिता(journalism) के विशेष शब्द और प्रयोग कौन-कौन हैं?
- शीर्षक की क्या विशेषता है?

➔ चर्चा के दौरान रपट की भाषा एवं शैली की अवधारणा दें।

➔ अपनी-अपनी उपज को परिमार्जित करने का मौका दें।

➔ दलों में विचार-विनिमय करने दें।

➔ दलों की उपजों का प्रस्तुतीकरण कराएँ।

◆

सत्र 7

कक्षा : दसवीं

इकाई : दो

विधा / प्रोक्ति : लेख

उद्देश्य :

1. दूसरी इकाई की 'बाबूलाल तेली की नाक' व्यंग्य कहानी का पुनरीक्षण कराना।
2. रपट पढ़कर आशय समझना।
3. लघु-लेख लिखने की क्षमता बढ़ाना।

भूमिका

'बाबूलाल तेली की नाक' व्यंग्य कहानी के आधार पर कक्षाई प्रक्रिया के दौरान कई विधाओं से परिचय पाने का अवसर छात्रों को अवश्य मिला होगा। इलाज के क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर यह कहानी तीखा प्रहार करती है। इस समस्या पर एक लेख लिखवाने की गतिविधि की ओर हम जा रहे हैं।

गतिविधियाँ

➔ हिंदी का प्रमुख समाचार पत्र 'दैनिक जागरण' में 19/12/2012 को प्रकाशित यह रपट पढ़ने को दें–

दवा खरीद घोटाले में आठ लोगों को कैद

बरेली : उत्तर प्रदेश के बरेली ज़िले की एक अदालत ने दवाओं की खरीद घोटाले के तैंतीस साल पुराने मामले में एक पूर्व उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी समेत आठ लोगों को सात साल की कैद तथा ग्यारह हज़ार रुपए जुर्माने की सज़ा सुनाई है। अभियोजक पक्ष के सूत्रों के मुताबिक सतर्कता विभाग ने वर्ष 1978 से 1979 के दौरान शाहजहाँपुर में दवाओं की खरीद में स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मचारियों द्वारा की गई गड़बड़ी पकड़ी थी। विशेष न्यायाधीश राधे श्याम यादव ने गवाहों के बयान और सबूतों के मद्देनज़र रखते हुए मामले के आठ अभियुक्तों पूर्व उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी 90 वर्षीय अमरनाथ जुत्सी, लिपिक गुर्दयाल शर्मा, विशाल सिंह, मुरारी शरण पांडे, फिरोज़ अख्तर खान तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं मुन्नी देवी, बिल्ला गुप्ता तथा बिट्टू को दोषी पाया।

➔ यह रपट किससे संबंधित है?

➔ आरोपियों को क्या सज़ा सुनाई गई?

➔ इस रपट के लिए अन्य एक शीर्षक दें।

➔ छात्रों को चार दलों में बाँटें। 'बाबूलाल तेली की नाक' कहानी को चार भागों में बाँटकर एक-एक दल को दें। वाचन का अवसर दें।

➔ हरएक दल अपने-अपने खंड के अनुसार कहानी की मुख्य घटनाओं को सूचीबद्ध करें–

- बलिष्ठ व्यक्ति बाबूलाल तेली की नाक पर घूँसा मार देता है।
- सेठ जी के अस्पताल के एक-एक मंजिल पर बाबूलाल को घूमना-फिरना पड़ता है।
- बाबूलाल को कई टेस्ट करना पड़ता है।
- बिल की रकम देखकर बाबूलाल का होश उड़ जाता है।
- लालूराम तेली का अस्पताल जाता है।
- ऑपरेशन करवा डालता है।
- बाबूलाल का स्वास्थ्य और बिगड़ जाता है।
- बाबूलाल को सपरिवार बंबई भेजा जाता है।
- बंबई के अस्पताल में नाक कटी जाती है।
- चंगे होकर बाबूलाल घर वापस आता है।

➔ चिकित्सा के क्षेत्र में चलनेवाले भ्रष्टाचारों पर एक लघु-लेख लिखने का निर्देश दें।

सहायक बिंदु:

- अनावश्यक टेस्ट करवाना
- भारी रकम में फीस
- इधर-उधर चक्कर लगवाना
- बीमारों से लापरवाही का व्यवहार

➔ वैयक्तिक लेखन का अवसर दें।

➔ दो-एक की प्रस्तुति करवाएँ।

➔ दलों में विचार-विनिमय करने तथा परिमार्जन करने का मौका दें।

➔ टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।

➔ चर्चा के ज़रिए मूल्यांकन सूचकों की अवधारणा दें–

- विषयानुकूल लेख लिखा है
- विचारों में क्रमबद्धता है
- शुद्ध भाषा का प्रयोग किया है

◆

सत्र 8

कक्षा : दसवीं

इकाई : चार

विधा / प्रोक्ति : पोस्टर

उद्देश्य :

1. अपठित गद्यांश पढ़कर समझने की क्षमता बढ़ाना।
2. पोस्टर तैयार करने की क्षमता प्राप्त कराना।

भूमिका

साल में हम कई प्रकार के दिन मनाते हैं। इन दिनाचरणों के पीछे कई उद्देश्य रहा करते हैं। इनसे संबंधित पोस्टरों में भी ये उद्देश्य उजागर रहते हैं। विभिन्न दिनों पर पोस्टर तैयार करने का प्रश्न परीक्षा में किया जाता है। यहाँ 'विश्व शांति दिन' पर पोस्टर तैयार कराने की गतिविधियाँ हैं।

गतिविधियाँ

➔ यह गद्यांश पढ़ने को दें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखने का निर्देश दें-

युनेस्कॉ ने 21 सितंबर को विश्व शांति दिन के रूप में घोषित किया था। यह दिन युद्ध और दंगे के विरुद्ध, शांति के लिए सर्मर्पित है। सबसे पहले यह दिन 1982 में मनाया गया। अब अनेक देशों, राजनैतिक दलों, संस्थाओं एवं सेनाओं के नेतृत्व में यह दिन मनाया जाता है। इस दिन लोग सफेद कबूतर के चित्र से सजा बैड्ज धारण करते हैं।

1. 'विश्व शांति दिन' कब मनाया जाता है?
2. 'विश्व शांति दिन' किसके लिए सर्मर्पित है?
3. 'विश्व शांति दिन' सबसे पहले कब मनाया गया?
4. 'विश्व शांति दिन' लोग कैसे मनाते हैं?

➔ चर्चा के बाद 'विश्व शांति दिन' के लिए संदेश वाक्य लिखने का निर्देश दें।

➔ गद्यांश से मिली जानकारी एवं संदेश वाक्यों की सहायता से 'विश्व शांति दिन' पर एक पोस्टर तैयार करने को कहें।

- वैयक्तिक प्रयास का मौका दें।
- दलों में विचार-विनिमय करने दें।
- दलों की ओर से प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

➔ किसी एक पोस्टर दिखाते हुए ध्यान देने की बातों पर चर्चा चलाएँ।

हर माह एक दिन आपके स्वास्थ्य के नाम

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस

मंगलवार अथवा शुक्रवार

हर गाँव में, एक दिन लाता है सेहत से जुड़ी सभी मुश्किलों का हल।

निश्चित दिन और समय तय कर, निश्चित स्थान पर।

• बच्चों की जाँच, टीकाकरण और वज़न • किशोरियों के स्वास्थ्य का परीक्षण

• टीबी और मलेरिया की दवा का वितरण • स्वास्थ्य से जुड़ी ज़रूरी सलाह

सबकी सेहत का ख्याल, सब हों खुशहाल

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

- क्या इसमें से यह सूचना मिलती है कि यह किस योजना की पोस्टर है?
- क्या यह पढ़कर हम यह समझ सकते हैं कि इस योजना के तहत क्या-क्या हो रहे हैं?
- क्या इस पोस्टर में कोई संदेश है?
- क्या इस पोस्टर में इसके संचालकों के संबंध में कोई सूचना है?
- क्या इसके वाक्य एक ही आकार में हैं?
- इन वाक्यों का विन्यास किस प्रकार किया गया है?

➔ चर्चा के दौरान पोस्टर तैयार करते वक्त ध्यान देने की बातों को समझाएँ तथा 'विश्व शांति दिन' की पोस्टर का परिमार्जन करवाएँ।

सत्र 9

कक्षा : दसवीं

इकाई : एक

विधा / प्रोक्ति : उद्घोषणा

उद्देश्य :

1. उद्घोषणा तैयार करने की क्षमता बढ़ाना।

भूमिका

अकसर कार्यक्रमों से संबंधित सूचना देने के लिए उसकी उद्घोषणा होती है। यह भी विचार-विनिमय की एक तरीका है। इस पर भी प्रश्न पूछा जाता है। इसकी विशेषताओं को समझाना उचित है।

गतिविधियाँ

➔ पूर्व सत्र की स्वास्थ्य संबंधी पोस्टर पर बच्चों का ध्यान एक बार और आकर्षित करें।

➔ आप कहें–

मान लें, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के विशेष कार्यक्रम आपके गाँव में निर्धारित है। इसका उद्घाटन मंगलवार 10 बजे मुख्यंत्री करने वाले हैं। गाँव वासियों को इसकी सूचना देने के लिए एक उद्घोषणा लिखें।

➔ इन प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ–

- सूचना किसको देनी है?
- क्या होनेवाला है?
- इसमें कौन भाग ले रहा है?
- ...

➔ लेखन प्रक्रिया चलाएँ–

- वैयक्तिक लेखन का मौका दें।
- दलों में विचार-विनिमय करने दें।
- आवश्यक परिमार्जन एवं संशोधन करवाएँ।
- उद्घोषणा लिखते समय ध्यान देने की बातों पर ध्यान दिलाएँ।

◆

सत्र 10

कक्षा : दसवीं

इकाई : 1-4

विधा / प्रोक्ति : पारिभाषिक शब्दावली

उद्देश्य :

1. अंग्रेज़ी के तकनीकी शब्दों का हिंदी पारिभाषिक शब्दों का परिचय देना।

भूमिका

ज्ञान-विज्ञान के अनेक क्षेत्रों के विषयों की चर्चा के लिए पारिभाषिक शब्दावली की अनिवार्यता है। हिंदी में भी ऐसे नए पारिभाषिक शब्दों को जानने, समझने के लिए प्रयत्न करना होगा।

गतिविधियाँ

➔ पाठ्यपुस्तक की प्रत्येक इकाई के अंत में दिए गए पारिभाषिक शब्दों पर चर्चा चलाएँ–

- ये शब्द किस क्षेत्र से संबंधित है?
- प्रत्येक शब्द का प्रयोग कहाँ-कहाँ होता है?
- ...

➔ इकाइयों के अंत के पारिभाषिक शब्दों को समझने का मौका दें।

➔ इन शब्दों के आधार पर 'सही मिलान' के प्रश्न बनाकर दें और बच्चों से उत्तर लिखवाएँ।

➔ प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित और कुछ शब्दों का भी परिचय कराएँ।

◆